



SMT. JAMUNA TUDU



Smt. Jamuna Tudu is a distinguished Indian environmental activist. As we say that Charity begins at home, this is absolutely true for Smt. Jamuna, popularly known as 'The Lady Tarzan of Jharkhand'. She is one such hero who is working towards saving the jungles in her state for close to two decades.

2. Born on December 19, 1980, Smt Jamuna is a nature lover. She was born & brought up in a poor Santhal family at Ranga Matia village at Mayurbhanj district in Odisha. Her father Mr Baaghi Murmu, was her first teacher who taught her love and respect for the forest, wild animals and in turn nature.

3. Smt. Jamuna got married to Sh. Man Singh Tudu who was a resident of Muturkham village in Chakulia district. Post her marriage, she started facing problems in her day to day life. She had to go very far off in the forest to bring fire-woods for cooking. It was also an era of deforestation. Everyday hundreds of trees were cut down in the district and the green forest was converted into a barren land. This was the turning point in her life when she decided to fight and save the forest. She started her journey during the Forest Protection Movement and began convincing village people to fight against the 'Mafias'. She formed a group with ladies staying in nearby villages and then the battle began against the forest mafias.

4. During this journey, she saved hectares of forest in Ghatshila range. She was targeted multiple times by the mafias and she had been beaten to death but she survived. Recently, Smt. Jamuna has formed a group named "Van Prabandhan Avam Sanrakshan Mahasamiti". This group is working in & around 350- 400 villages and there are more than 350 samitis under the banner of Mahasamiti. Thus she has become a role model for the villagers. She has proved that even an illiterate and a poor person who lives in remote villages, can bring a difference in the society if he/she has that kind of a vision.

5. Smt. Jamuna is the recipient of numerous awards and honours. She has been conferred Awaken India (Agents of change) Award, All Grass Route Women of the Decade Achievers Award, Veerangana Special Award, Women Power Award, Aparajita Award, Women Transforming India Award, Women Achiever award in 2017 and many more awards by the Central Government, State Government of Jharkhand and many other organisations.



श्रीमती जमुना टुडू



श्रीमती जमुना टुडू एक प्रतिष्ठित भारतीय पर्यावरण कार्यकर्ता है। जैसा कि हम कहते हैं कि परोपकार घर से ही शुरू होता है, यह श्रीमती जमुना जो 'लेडी टार्जन ऑफ झारखंड' के रूप में जानी जाती हैं, पर बिल्कुल सटीक बैठता है। आप एक ऐसी नायक हैं जो अपने राज्य में लगभग बीस सालों से जंगलों को बचाने के लिए कार्य कर रही हैं।

2. आपका जन्म 19 दिसम्बर, 1980 में हुआ था। आपको प्रकृति से बहुत प्रेम है। आपने ओडिशा के मयूरभंज जिले के रंगा माटिया गांव के एक गरीब संथाल परिवार में जन्म लिया और पत्नी-बहू। आपके पिता श्री बाघीमुर्मु आपके प्रथम अध्यापक थे जिन्होंने आपको वनों, वन्य जीवों और प्रकृति से प्रेम करना और आदर करना सिखाया।

3. आपने श्री मान सिंह टुडू से विवाह किया जो चाकुलिया जिले के मुतुरखाम गांव के निवासी थे। विवाह के बाद, आपने अपने रोजमर्रा के जीवन में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। आपको खाना बनाने के लिए जलावन की लकड़ी लाने के लिए बहुत दूर जंगल में जाना पड़ता था। उस समय वनोन्मूलन का दौर भी था। प्रतिदिन जिले में सैकड़ों पेड़ काटे जाते थे और हरा-भरा जंगल एक बंजर भूमि के रूप में बदल चुका था। यह आपके जीवन में परिवर्तन का दौर था जब आपने पेड़ों को बचाने और इसके लिए संघर्ष का निर्णय लिया। आपने अपनी यह यात्रा वन संरक्षण आन्दोलन के दौरान प्रारंभ की थी और गांव के लोगों को 'माफिया' के विरुद्ध लड़ने के लिए समझाना शुरू कर दिया था। आपने आस-पास के गांव की महिलाओं के साथ एक समूह बनाया और उसके बाद वन माफिया के विरुद्ध जंग शुरू हो गई।

4. अपने इस यात्रा के दौरान, आपने घाटशिला रेंज में कई हेक्टेयर जंगल को बचाया। माफियों द्वारा आपको कई बार निशाना बनाया गया और जान लेवा हमला भी किया गया परंतु आप जीवित बच गईं। हाल ही में, आपने "वन प्रबंधन आवाम संरक्षण महासमिति" नामक एक संगठन की स्थापना की है। यह संगठन लगभग 350-400 गांवों में कार्य कर रहा है और इस महासमिति के बैनर तले 350 से अधिक समितियां हैं। इस प्रकार, आप गांव वालों के लिए एक प्रेरणा स्रोत बन गईं। आपने यह साबित कर दिया है कि एक अनपढ़ और गरीब व्यक्ति जो दूर-दराज गांव में रहता है, वह भी समाज में बदलाव ला सकता है यदि उसका नज़रिया इस प्रकार का हो।

5. आपने बहुत से पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए हैं। केन्द्र सरकार, झारखंड राज्य सरकार और कई अन्य संगठनों द्वारा आपको अवेकन इंडिया (एजेंट्स ऑफ चेंज) अवार्ड, ऑल ग्रास रूट वीमेन ऑफ दी डिफेंड एचिवर्स अवार्ड, वीरांगना स्पेशल अवार्ड, वीमेन पॉवर अवार्ड, अपराजिता अवार्ड, वीमेन ट्रांसफॉर्मिंग अवार्ड, 2017 में वीमेन एचिवर्स अवार्ड और बहुत से पुरस्कारों से नवाजा गया है।